हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 4 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री से.
न्यूनतम 23 .0 डिग्री से.

10 पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही मिला योजनाओं...



10 मोतीलाल स्कूल में गांधी जयंती पर विशेष सभा....



खबर संक्षेप

मालगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

जींद। गांव किलाजरफगढ़ के निकट रेलवे लाइन पार करते समय व्यक्ति की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

गांव खरक जाटान (रोहतक) निवासी जयभगवान (50) गत दिवस घरेलू सामान लेने के लिए जुलाना आया था। शाम को ट्रेन से घर वापसी के किलाजफरगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतर गया। जिसके बाद वह गांव की तरफ वाले रास्ते पर बने अंडर पास में पानी भरा होने से रेलवे लाइन को पार कर रहा था।

बाइक रिक्शा चालक पर हमला कर किया घायल,

जींद। सफीदों दादा सती मंदिर के निकट बाइक रिक्शा चालक पर दो बाइकों पर सवार युवकों ने हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना सफीदों पुलिस ने घायल की शिकायत पर तीन युवकों को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बेरीखेड़ा निवासी सोनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक रिक्शा चला कर अपने परिवार को पालता है। गत 15 सितंबर को वह सफीदों के दादी सती मंदिर के पास से गुजर रहा था।

संदिग्ध हालात में नाबालिग लड़की लापता, मामला दर्ज

जींद। जिले से दो नाबलिग लड़कियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण के मामले दर्ज किए हैं। गांव दालमवाला निवासी व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। वहीं गांव कालता से भी 14 वर्षीय लड़की भी गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने उन्हें तलाशा भी लेकिन कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फ्री बेसिक कंप्यूटर कोर्स व सिलाई प्रशिक्षण कल से

नरवाना। पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र, सच्चा खेड़ा द्वारा युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास हेतु तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच अक्टूबर से प्रारंभ किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत बेसिक कंप्यूटर कोर्स तथा सिलाई प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। केंद्र के निदेशक हितेश कालरा ने बताया कि यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है तथा इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनाना है। इच्छुक दस्तावेजों के साथ केंद्र पर आकर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

बीडीपीओ कार्यालय से मोटरसाइकिल चोरी

कैथल। चीका के बीडीपीओ कार्यालय से बाइक चोरी हो गई। इस मामले में चीका थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव लंडाहेड़ी निवासी मनजीत सिंह 24 अगस्त को बीडीपीओ कार्यालय में काम के लिए गया था। उसने अपनी बाइक कार्यालय परिसर में लॉक लगाकर खड़ी की थी। काम निपटाकर बाहर आया तो बाइक गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का सुराग नहीं लगा। एएसआई सुदेश ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता, केस दर्ज

कैथल। पूंडरी के एक गांव से 18 साल की युवती संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। पिता की शिकायत पर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। शिकायत अनुसार अनुसार युवती घर से कुछ सोने-चांदी के जेवर और करीब 20 हजार की नकदी भी साथ ले गई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि 1 अक्टूबर को उसकी बेटी घर पर बिना बताए बाहर चली गई थी। निर्धारित समय तक वापस नहीं आने पर परिवार ने आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की।

जन्म के साथ गंभीर बीमारी वाले बच्चों पर स्वास्थ्य विभाग की विशेष नजर

जिले में 12 टीम स्कूल-आंगनबाड़ी केंद्रों में कर रहीं बच्चों के स्वास्थ्य की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद



जरूरतमंद परिवार को उपचार के लिए आर्थिक सहायता देती सीएमओ डॉ. सुमन कोहली।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्म के साथ ही बीमारी वाले बच्चों की स्पेशल स्क्रीनिंग करवाई जा रही है। ऐसे बच्चों की शीघ्रता से पहचान कर उन्हें सरकार द्वारा देय मुफ्त सुविधाएं दिलाई जा सकें, इसके लिए नर्सों, डिलीवरी करवाने वाली स्टाफ को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है ताकि जब भी बच्चा पैदा होता है और उसके दिल में छेद हो, कमर का फोड़ा हो, होट कटे हों, पैर टेढें हों की तुरंत प्रभाव से जांच कर इन बच्चों को हरियाणा सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्क्रीनिंग में पाए गए तीन बच्चों को छह लाख 11 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। एक बच्चे को सुनने में परेशानी थी, उसके उपचार के लिए चार लाख 20 हजार रुपये, एक बच्चे के दिल में छेद था, उसके आप्रेशन के लिए दो लाख व एक बच्चे की आंखों के उपचार के लिए 11 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है। कई बार बच्चे के जन्म के समय ही दिल का छेद, पैरों का टेढ़ापन, आंखों का भैंगापन, जन्मजात बहरापन, मोतियाबिंद, कटे हुए होठ व तालू की कई तरह की परेशानी होती हैं। संसाधन उपलबध न हो पाने के कारण अभिभावक इन बच्चों का उपचार नही करवा पाते। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग इन अभिभावकों की मदद करता है और उन्हें मुफ्त उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाता है। इसी को लेकर नर्सिंग स्टाफ को ट्रेनिंग दी गई है ताकि जब भी ऐसे बच्चों का पता चले तो वे तत्काल उसका रजिस्ट्रेशन नागरिक अस्पताल में करवाकर उपचार की सुविधा ले सकें। बच्चे के पिता अंकित ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनके बच्चे के उपचार के लिए करीब चार लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। इतने महंगे उपचार का खर्च वहन करना उनके परिवार के लिए संभव नही था। सरकार और स्वास्थ्य विभाग की मदद से बच्चे के इलाज का रास्ता आसान हुआ है और परिवार में नई उम्मीद जगी है। स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के प्रभारी डिप्टी सिविल सर्जन डेंटल डा. दिनेश गुप्ता ने बताया कि विभाग के पास कुल 12 गाडियां हैं, जो अलग-अलग जगहों पर स्क्रीनिंग करती हैं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत टीम द्वारा राजकीय स्कूलों व आंगनवाड़ी केंद्रों में समय-समय पर जाकर 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

समय पर पहचान से बेहतर उपचार संभव

सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली ने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सरकार की महत्वपूर्ण योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। तीन बच्चों को छह लाख 11 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करवाई गई है। बीमारी की समय पर पहचान होने से बच्चों को बेहतर उपचार मिल पाता है और परिवार पर इलाज का आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ता।

आरबीएसके की टीम से संपर्क करें

विभाग की टीम द्वारा जांच के दौरान स्वास्थ्य में कुछ कमी पाए जाने पर नागरिक अस्पताल जींद में भेजा जाता है। इसके अलावा स्वास्थ्य में अधिक परेशानी होने पर पीजीआई चंडीगढ़, रोहतक व मोहाली के फोरटीस अस्पताल में मुफत इलाज कराया जाता है। अगर किसी भी 0 से 18 वर्ष तक के बच्चें को जन्मजात रोग जैसे दिल में छेद, कमर में फोड़ा, कटे होंठ, जन्मजात मोतिया, गंभीर खून की कमी, गंभीर कुपोषण व आंखों का भैंगापन होने पर आरबीएसके की टीम से संपर्क कर सकते है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को रद्द करने की मांग

वामपंथी पार्टी कार्यकर्ताओं का अंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित स्वतंत्र संवैधानिक संस्था



जींद। प्रदर्शन करते वामपंथी पार्टी के कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

विशेष गहन पुनरीक्षण को रद्द करने, मतदाता सूचियों से कथित रूप से गलत तरीके से हटाए गए मतदाताओं के अधिकार बहाल करने तथा चुनाव आयोग की स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने की मांग को लेकर वामपंथी पार्टियों ने शनिवार को अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन कर धरना दिया। धरने की अध्यक्षता सीपीआईएम नेता प्रकाश चंद्र ने की। जबकि संचालन जिला सचिव कपूर सिंह ने किया। धरने को संबोधित करते वामपंथी नेता रमेश चंद्र व विनोद ने कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की मनमानी या अपारदर्शी प्रक्रिया लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने एसआइआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे तत्काल रद्द करने तथा जिन योग्य नागरिकों के नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके मताधिकार बहाल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। चुनाव आयोग किसी एक व्यक्ति की संस्था नहीं है बल्कि संविधान द्वारा स्थापित स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए आयोग की निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता सामूहिकता और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। एसआइआर से जुड़े विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली और को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है।

मताधिकार बहाल किए जाएं

इसलिए वोट और मतदाता सूची की निष्पक्षता की रक्षा के लिए सभी लोकतांत्रिक, जनवादी और धर्मनिरपेक्ष ताकतों को आगे आना चाहिए। मांग की कि एसआइआर को रद्द किया जाए तथा गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाए सभी योग्य के मताधिकार बहाल किए जाएं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाए तथा उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। चुनाव आयोग की स्वतंत्र, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली बहाल की जाए। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति व्यवस्था में ऐसी पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे चुनाव आयोग की स्वायत्तता मजबूत हो। एसआइआर के बाद सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठे सभी सवालों की जांच कराई जाए व प्रभावित मतदाताओं के अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। प्रक्रिया में जनता के मताधिकार की संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वोट सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत

उन्होंने मांग की कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाए तथा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। वामपंथी नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाते कहा कि पिछले वर्षों में किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, बेरोजगार युवाओं और आम जनता से जुड़े अनेक मुद्दों पर संघर्ष हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थाओं और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को कमजोर करने के प्रयास लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में जनता का वोट ही उसकी सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत है।



जींद। डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपते एसोसिएशन सदस्य।

25% से ज्यादा पदों को पोर्टल पर बंद करने से जताया रोष

■ बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो.ने विधायक प्रतिनिधियों को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सरकार द्वारा ऑनलाइन तबादलों के तहत 25 प्रतिशत से ज्यादा पदों को पोर्टल पर बंद करने के रोष स्वरूप बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो ने शनिवार को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि राजन चिल्लाना व जुलाना विधायक प्रतिनिधि को ज्ञापन सोंपा। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो ने निर्णय की निंदा करते आंदोलन की घोषना की है। आंदोलन के तहत 7 अक्टूबर को महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के पंचकूला कार्यालय पर अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। इससे पूर्व प्रदेश के सभी विधायकों को ज्ञापन देकर ऑलाइन पोर्टल पर स्वीकृत सभी पदों को तबादले के लिए खोले जाने का आग्रह किया जाएगा। एसो. जिला सचिव गुरनाम सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती करने की बजाय मेवात व यमुनानगर जैसे जिलों में नियुक्ति के लिए अन्य जिलों के सैंकडों पदों को बंद करके जहां स्वास्थ्य कर्मचारियों पर बंद किए पदों का अतिरिक्त भार देकर उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित किया जाएगा वहीं जनता को भी उनके घर द्वार तक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित किया जाएगा। उन्होने बताया कि जिला जींद में 186 उपस्वास्थ्य केंद्रो पर कार्यरत एमपीएचडब्लू के 46 पदों को ब्लॉक यानि बंद कर दिया गया है। जिससे 46 उपस्वास्थ्य केंद्रों के तहत लाखों की आबादी को स्वास्थ्य कर्मचारियों की सेवाओं से वंचित होना पड़ेगा। कर्मचारी नेताओं ने ऑनलाइन तबादलों से पहले रिक्त पदों पर नियुक्ति करने तथा तबादले साल के बीच में करने की बजाय अप्रैल में किए जाएं ताकि कर्मचारियों के बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार का व्यवधान न आए। गुरनाम सिंह, अमरजीत, विनोद, दिनेश आदि मौजूद थे।

13 लाख की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। विदेश भेजने और विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर 13 लाख की धोखाधड़ी करने के मामले की जांच एंटी एमिग्रेशन सैल के एएसआई सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव डाचर, जिला करनाल निवासी रणजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर फर्जी वीजा के माध्यम से युवक को विदेश भेजने, पैसे वापस न करने तथा रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गांव पाई निवासी राजेश कुमार की शिकायत अनुसार उसका बेटा गौरव विदेश जाना चाहता था। रिश्तेदार के माध्यम से उसकी मुलाकात रणजीत सिंह से हुई। आरोपी ने उसके बेटे को जर्मनी में नौकरी लगवाने और जर्मनी भेजने का विश्वास दिलाया। आरोपी की बातों पर भरोसा करते हुए शिकायतकर्ता ने उसे 10 लाख रुपये नकद दे दिए।

विदेश में रहने वाले रिश्तेदार का परिचित बनकर 3.40 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

साइबर ठग ने विदेश में रहने वाले रिश्तेदार का परिचित बनकर फोटोग्राफर से 3.40 लाख रुपये ठग लिए। ठग ने पहले पीड़ित को उसके बैंक खाते में 8.50 लाख रुपये भेजने की बात कही और इसके बाद रकम ट्रांसफर होने की फर्जी रसीद भेज दी। कुछ देर बाद ठग के साथी ने खुद को बैंक कर्मचारी और फिर दूसरे व्यक्ति ने रिश्तेदार का दोस्त बताकर पीड़ित से 3.40 लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। खाते में 8.50 लाख रुपए नहीं आने पर ठगी का पता चला। अब साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव बीर बांगड़ा निवासी रामबीर ने बताया कि वह फोटोग्राफर का काम करता है। 17 अगस्त को उसके वाट्स-एप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को विदेश से बोलने वाला बताया। उसने बातचीत में खुद को सुखबिंद्र बताया और कहा कि वह कुछ समय बाद भारत आएगा तथा उसके बैंक खाते में 8.50 लाख रुपए भेज रहा है। इसके लिए उसने रामबीर से बैंक खाते की जानकारी मांगी। रामबीर के अनुसार उसने पंजाब नेशनल बैंक का खाता नंबर दे दिया। कुछ देर बाद आरोपी ने व्हाट्सऐप पर 8.50 लाख रुपए की एक रसीद भेज दी।

सिविल लाइन थाना प्रभारी रमेश चंद्र सस्पेंड

कैथल। सिविल लाइन थाने में 25 हजार की रिश्वतखोरी का मामला उजागर होने के बाद कार्रवाई तेज हो गई है। सब-इंस्पेक्टर राजेश कुमार को रंगे हाथों दबोचे जाने के ठीक दो दिन बाद अब तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रमेश चंद्र को भी सस्पेंड कर दिया है। निलंबन के बाद उन्हें तुरंत पुलिस लाइन भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार, सुभाष नगर निवासी साहिल की एक शिकायत को तत्कालीन एसएचओ रमेश चंद्र ने बिना जांच अधिकारी को मार्क किए अपने पास ही रखा था। शिकायत पर समय रहते उचित कदम न उठाने और लापरवाही बरतने के चलते उनके खिलाफ यह सख्त एक्शन लिया गया है। मामले में दिलचस्प पहलू यह है कि एसीबी की कार्रवाई से ठीक एक दिन पहले ही इंस्पेक्टर रमेश चंद्र का तबादला सिविल लाइन थाने से बदलकर कलायत थाने के प्रभारी के रूप में किया गया था।

जमीन की सौदेबाजी कर 23 लाख हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ जमीन की रजिस्ट्री न करवाने तथा रुपये वापस न लौटाने का आरोप

जमीन की सौदेबाजी कर 23 लाख रुपये हड़पने पर जुलाना थाना पुलिस शिकायत के आधार पर सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खांडा (सोनीपत) निवासी सोमवीर ने पुलिaस को दी शिकायत में बताया कि उनके परिवार की जमीन बिकी थी। बदले में जमीन तलाश कर रहे थे। उसी दौरान उसकी मुलाकात गिवाना निवासी योगेंद्र तथा पवन से हुई। जिन्होंने लाठ निवासी रोहित से मिलवाया। जिसके बाद उन्हें गांव कोहला निवासी सरपंच संदीप तथा प्रवीन से मुलाकात करवाई। जिनके साथ वे बुढाखेड़ा में मनोज तथा विकास से मिले। जिन्होंने गांव सिरसाखेड़ी के निकट सड़क किनारे 43 कनाल चार मरले जमीन दिखाई। खेत में टयूबवैल लगा हुआ था। उन्होंने एक लाख रुपये टोकन मनी मौके पर दे दी। 20 मार्च 2025 ब्याने की तारीख रखी गई। निर्धारित दिन जुलाना में प्रोपर्टी डीलर से मिले। जिसने विश्वास दिलवाया कि जमीन की खेवट अलग कर रजिस्ट्री करवा दूंगा। जिसके बाद रजिस्ट्री लिखवा दी । 23 लाख रुपये दे दिए। जिसमें उन्होंने सात लाख की चैक तथा 16 लाख नकद दिए गए। ब्याना विकास के नाम से लिखवाया गया। मनोज, पवन सोमबीर गवाह के हस्ताक्षर किए। 15 सितंबर तक रजिस्ट्री नही हुई। जिसके बाद वे मनोज से मिले। जिसने बताया कि उसकी बुआ की मौत हो गई है। जिसके बाद मनोज तथा विकास से कई बार मिले। आखिरकार फोन उठाना बंद कर दिया। जिसकी शिकायत पुलिस से की गई। आरोपितों ने मौखिक तौर रुपये वापस करने का समय दिया। बावजूद इसके आरोपितों ने न तोरजिस्ट्री करवाई और न ही रुपये वापस लौटाए। जुलाना थाना पुलिस ने सोमवीर की शिकायत पर आरोपित विकास, मनोज लाठर, पवन, सरपंच संदीप, प्रवीण, देवेंद्र, रोहित के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फल्गु लोककला महोत्सव का दूसरा दिनः नशामुक्ति का भी दिया संदेश

पद्मश्री महाबीर गुड्डू की बम्ब लहरी पर झूमे दर्शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी



पूंडरी। पद्मश्री महाबीर गुड्डू की बम्ब लहरी की प्रस्तुति देते। फोटो :हरिभूमि

फरल स्थित फल्गु तीर्थ पर आयोजित 12वें फल्गु लोककला महोत्सव के दूसरे दिन हरियाणवी लोक संस्कृति और पारंपरिक कलाओं की शानदार छटा देखने को मिली। पद्मश्री महाबीर गुड्डू की ओजस्वी गायकी और हरियाणवी लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रसिद्ध प्रस्तुति बम्ब लहरी पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय मूंदड़ी के कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत, विधायक सतपाल जांबा, कार्यक्रम अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हरियाणवी लोक कलाकार पद्मश्री महाबीर गुड्डू, गाजियाबाद के वस्तु एवं कर विभाग के अतिरिक्त आयुक्त विवेकानंद शुक्ला, इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष विनोद शर्मा विवेक, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक उमेश धर्मपाल शर्मा, हिसार के समाजसेवी वीरेंद्र चौधरी और दिल्ली के एआई विशेषज्ञ सिद्धार्थ धर ने दीप प्रज्वलित कर किया। ग्राम सरपंच प्रतिनिधि साहब सिंह राणा और आयोजक समिति की ओर से अतिथियों व कलाकारों का फूलमालाओं, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री महाबीर गुड्डू ने शिव आराधना और अपनी प्रसिद्ध प्रस्तुति बम्ब लहरी से माहौल शिवमय कर दिया। इसके बाद प्रोमिला देवी व उनके समूह ने हरियाणवी लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। देशा मै देश हरियाणा गीत पर नृत्य के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति और गौरव को दर्शाया। वहीं नशे मै ना पाड़ियों, नशा घर का नाश गीत पर प्रस्तुति देकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर दिल्ली के वरिष्ठ एडवोकेट ऋषिपाल, राजेंद्र शर्मा, मनोज राणा, मास्टर रामकुमार, जगदीश क्वात्रा, संजीव राणा, हर्ष राणा, कपिल वर्मा, तरसेम कुमार, मुकेश शर्मा और संजीत कौशिक सहित सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे।

गली में टहल रही महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांधी नगर में बीती देर शाम गली में टहल रही महिला से गले से साने की चेन झपटी ली। घटना को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गया। छीना झपटी की वारदात गली में लगे सीसी टीवी कैमरे मेंकैद हो गई। शहर थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात युवक के खिलाफ छीना झपटी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांधी नगर निवासी सोनिया बीती देर शाम अपनी पड़ोसन के साथ गली में टहल रही थी। मकान से कुछ दूरी पर पीछे से आए युवक ने सोनिया के गले से सोने की चैन झपट ली और वापस मुड़ कर फरार हो गया। सोनिया तथा उसकी सहेली ने शोर भी मचाया। आसपास के लोगो ने युवक का पीछा भी किया लेकिन युवक अंधेरे का लाभ उठा कर गलियों में गायब हो गया। बाद में पुलिस ने भी सूचना पाकर संदिग्ध युवक को तलाशा भी लेकिन उसका कोई सुराग नही लगा। महिला से सोने की चेन झपटने की वारदात वहां लगे सीसी टीवी कैमरों में कामयाब हो गई। पुलिस ने सोनिया की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ छीना झपटी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

जुलाना के आरोग्यम अस्पताल में किया हवन

जुलाना। जुलाना कस्बे के आरोग्यम अस्पताल में अस्पताल के 5वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चतुर्वेद शतकम-पारायण यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के स्टाफ गणमान्य लोगों और क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया। यज्ञ के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डाली गई और अस्पताल की सुख व समृद्धि तथा मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुद्वारे में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप आज

जींद। निजी अस्पताल की ओर से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चार अक्टूबर रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। शिविर रानी तालाब के पास स्थित गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारे में आयोजित होगा। अस्पताल के डा. अश्वनी ने बताया कि शिविर में मरीजों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। जरूरत के अनुसार आयुर्वेदिक औषधियां भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। अनुभवी चिकित्सकों की टीम मरीजों की जांच कर उपचार, बचाव और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित आवश्यक जानकारी देगी।

किलोमीटर स्कीम बसों से आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

जींद। रोडवेज कर्मचारी यूनियन हरियाणा संबधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ एटक के राज्य प्रधान निशान सिंह, राज्य महासचिव जयवीर घणघस, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनूप लाठर व डिपो प्रधान राममेहर रेढू ने कहा कि हरियाणा रोडवेज में संचालित किलोमीटर स्कीम की बसों द्वारा आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन बसों के चालक अप्रशिक्षित व ठेके पर रखे गए हैं, जिनके कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। यूनियन नेताओं ने कहा कि किलोमीटर स्कीम की बसों का रंग रूप हरियाणा रोडवेज की सरकारी बसों जैसा है, जिससे आम जनता में यह भ्रम फैलता है।

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में बैगलेस-डे का आयोजन

नरवाना। शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में आज प्री-नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे विद्यार्थियों के लिए बैगलेस डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को नियमित स्कूल बैग से मुक्त रखते हुए विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान किया गया। बैगलेस डे के दौरान नन्हे विद्यार्थियों के लिए सब्जियों की पहचान की गतिविधि करवाई गई। गतिविधि में बच्चों को विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ दिखाकर उनके नाम एवं पहचान के बारे में जानकारी दी गई।

परीक्षा के बाद विद्यार्थियों ने लिया वन डे ट्रिप का आनंद

नरवाना। चिराग पब्लिक स्कूल नरवाना द्वारा परीक्षा के बाद विद्यार्थियों को तनाव मुक्त एवं तरोताजा करने के उद्देश्य से एमजी क्लब एंड रिजॉर्ट, हिसार में वन डे ट्रिप का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने वाटर पार्क, गेमिंग जोन, झूलों, हनुमान अंश मूवी तथा ब्रेकफास्ट और लंच का भरपूर आनंद लिया। प्राचार्य रमेश वत्स ने बताया कि विद्यालय का सदैव प्रयास रहता है कि बच्चों पर पढ़ाई का अनावश्यक मानसिक दबाव न पड़े। बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते शिक्षा को आनंदमय और तनावमुक्त बनाने का प्रयास किया जाता है।

व्याख्यान एवं निबंध लेखन कार्यक्रम

नरवाना। केएम राजकीय कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कमेटी एवं राजनीति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में व्याख्यान एवं निबंध लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान देते राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ राजवीर नैन ने विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता की भूमिका, मतदान क्यों जरूरी तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के महत्व बारे बताया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम में बोले एडीसी

पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही मिला योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं बताई

सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव सिंध्वीखेड़ा में स्पेशल सर्विस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के साथ-साथ पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ उनके गांव में ही उपलब्ध करवाना रहा। कैंप के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया तथा मिलने वाले लाभ के बारे में भी अवगत करवाया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं एवं उनकी ओर से रखी गई मांगों को भी सुना गया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। स्पेशल सर्विस कैंप में मौके पर ही पात्र पाए गए लाभार्थियों को संबंधित सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इससे ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय गांव में ही आवश्यक सेवाएं एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध हुईं। कैंप का एडीसी प्रदीप कुमार एवं एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सेवा काउंटरों का जायजा लिया और अधिकारियों से ग्रामीणों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं तथा योजनाओं के लाभ के संबंध में जानकारी ली।



जींद। काउंटर पर जानकारी लेते एडीसी प्रदीप कुमार। फोटो :हरिभूमि

गंभीरता से कार्य किया जाए

अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए तथा किसी भी पात्र नागरिक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कैंपों का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन के और अधिक करीब लाना है ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनावश्यक रूप से दूर स्थित कार्यालयों में न जाना पड़े। कैंप के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने का प्रयास किया गया। बीडीपीओ अक्षयदीप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंच कर सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की और सुविधाओं का लाभ उठाया।

क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

नरवाना। राजीव गांधी सनातन धर्म सह-शिक्षा महाविद्यालय, नरवाना में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के प्रथम दिन विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभा खोज प्रयोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट तथा क्विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते अपनी रचनात्मकता कौशल का प्रदर्शन किया। अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बबीता गर्ग ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।संस्था प्रशासक एवं उप मंडल अधिकारी, नरवाना जगदीश चंद्र ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

वेदांता के छात्रों ने जयपुर भ्रमण में सीखे इतिहास के रंग



बच्चों ने जयपुर का भ्रमण किया।

नरवाना। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल, कालौदा खुर्द की ओर से विद्यार्थियों के लिए जयपुर शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से आगे ले जाकर देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और वैज्ञानिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। वोल्वो बसों से जयपुर पहुंचे विद्यार्थियों में पूरे सफर को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। जयपुर पहुंचने पर विद्यार्थियों ने सबसे पहले आमेर किले का भ्रमण किया। किले की भव्य संरचना, विशाल प्रांगण, कलात्मक नक्काशी और ऐतिहासिक स्थापत्य ने विद्यार्थियों को आकर्षित किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को किले के इतिहास और राजस्थानी स्थापत्य कला की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखकर इतिहास को नए नजरिए से समझा। इसके बाद विद्यार्थियों ने जल महल की खूबसूरती का आनंद लिया। झील के बीच स्थित जल महल का मनमोहक दृश्य विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। भ्रमण के दौरान सिटी पैलेस भी विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। यहां विद्यार्थियों ने राजस्थानी राजघराने की समृद्ध संस्कृति, कला और वास्तुकला की झलक देखी। इसके बाद विद्यार्थियों ने बिरला मंदिर में दर्शन किए और मंदिर की सुंदर वास्तुकला एवं शांत वातावरण का अनुभव किया।

खबर संक्षेप



सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया

जींद। संत शिरोमणि श्री सैन भगत राजकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में किया गया। अभियान में 15 हरियाणा बटालियन एनसीसी के 20 कैडेट्स ने स्वयंसेवकों के रूप में भाग लिया। अभियान का नेतृत्व रोड सेफ्टी क्लब के प्रभारी लेफ्टिनेंट पंकज ने किया। अभियान के दौरान हेलमेट पहन कर दोपहिया वाहन चलाने वाले तथा सीट बेल्ट का प्रयोग करने वाले विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए बॉल पेन वितरित किए गए। वहीं हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने वाले लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया।



रुक्मिणी विवाह व स्यमंतक मणि का प्रसंग सुनाया

जींद। श्री कृष्ण भक्ति भागवत समिति के तत्वावधान में पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में नगर के ऐतिहासिक नागक्षेत्र सरोवर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव में श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का श्रवण कर भावविभोर हो रहे हैं। कथा व्यास पीठाधीश्वर परम स्वामी कैवल्यानंद सरस्वती महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, अहंकार त्यागने और भगवान की शरणागति का संदेश दिया। कथा के दौरान महारास लीला सहित भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाते हुए स्वामी कैवल्यानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि कुण्डिनपुर के महाराज भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण का चित्र देखकर ही उन्हें अपने पति के रूप में स्वीकार कर लिया था। लेकिन उनके भाई रुक्मी ने रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से तय कर दिया। रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को एक पत्र लिखकर ब्राह्मण देव के माध्यम से संदेश भेजा कि कुछ ही दिनों में उनका विवाह शिशुपाल से होने वाला है जबकि उन्होंने मन ही मन श्रीकृष्ण को पति स्वीकार कर लिया है। रुक्मिणी की पुकार सुनकर श्रीकृष्ण वहां पहुंचे और उन्हें अपने साथ ले गए।



मच्छरजनित बीमारियों से बचाव को किया जागरूक

जींद। उपस्वास्थ्य केंद्र रिटोली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव तथा स्वाइन फ्लू को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान फीवर मास सर्वे किया गया और बुखार से पीड़ित मरीजों के रक्त नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए। स्वास्थ्य कर्मचारी निर्मल सिंह मोरखी, आनंद शर्मा और पूजा शर्मा ने ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया सहित मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। निर्मल सिंह ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में मच्छरों की संख्या बढने से इन बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देना जरूरी है। ग्रामीणों को घरों के आसपास रखे कूलर, गमले, पुराने टायर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने तथा पानी के बर्तनों को ढक कर रखने की सलाह दी।



बेलरखा के 400 छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

नरवाना। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय बेलरखा में सेवा संकल्प अभियान के तहत सीएचसी उझाना की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके टीम द्वारा 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक लगभग 400 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अध्यापक प्रदीप जागलान ने बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान विद्यार्थियों में दंत रोग, दृष्टि संबंधी समस्याएं, त्वचा रोग तथा जन्मजात एवं गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग, मोतियाबिंद और डाउन सिंड्रोम आदि की स्क्रीनिंग की गई। आवश्यकता के अनुसार बच्चों के रक्त की जांच भी की । जांच के दौरान जिन छात्रों को आगे उपचार की आवश्यकता पाई, उन्हें उचित उपचार के लिए रेफर किया । डॉ. अरुण, डॉ. शिवानी एवं फार्मेसी ऑफिसर सुखविंदर सहित, अध्यापक छात्र मौजूद रहे।

स्वच्छता के महत्व का संदेश दिया

■ हिंदू कन्या कॉलेज की कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता अभियान



जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में 15 हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर एक घंटा-एक साथ मास स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ छात्राओं में श्रमदान, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करना रहा। अभियान में महाविद्यालय की 40 कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक एवं बढ़चढ़कर भाग लिया। कैडेट्स ने निर्धारित क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चला कर साफ.-सफाई की तथा स्वच्छता के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी एनसीसी कैडेट्स को स्वच्छता शपथ भी दिलवाई गई। कैडेट्स ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में अपना योगदान दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने एनसीसी कैडेट्स की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नही बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व है। ऐसे अभियानों के माध्यम से युवा पीढ़ी में अनुशासन, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। एनसीसी सीटीओ आरती सैनी ने अभियान का नेतृत्व एवं समन्वय किया। उन्होंने सभी कैडेट्स को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। एनसीसी इकाई ने अभियान ने स्वच्छता ही सेवा के संदेश को सार्थक करते छात्राओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एनसीसी ट्रेनर पूनम ने कैडेट्स का मार्गदर्शन करते अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।



जींद। जागरूकता रैली निकालती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

स्वच्छता प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व

जींद। राजकीय महिला महाविद्यालय में गांधी जयंती एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता जागरूकता रैली एवं स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस गीत के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों का स्मरण करते एनएसएस स्वयंसेविकाओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता, सत्य, अहिंसा, सादगी, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण की शपथ ली। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रीति ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि महात्मा गांधी स्वच्छता को स्वतंत्रता एवं स्वस्थ समाज का आधार मानते थे। स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नही बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने छात्राओं से अपने घर, महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा समाज के अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।



जींद। बैठक में भाग लेते हुए सेवानिवृत कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

जगदीश शहरी तो ग्रामीण इकाई के प्रधान बने मिलाप

जींद। रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी वेलफेयर एसो. की जींद शहरी इकाई और जींद ग्रामीण इकाई का तीन वर्षीय चुनाव जाट धर्मशाला जींद में संपन्न हुआ। जींद शहरी इकाई के चुनाव में जिला कार्यकारिणी के संयुक्त सचिव जयदेव शर्मा और उप प्रधान जय नारायण जिलेदार ने प्रेक्षक के रूप में भाग लिया और जींद ग्रामीण इकाई के चुनाव में जिला कार्यकारिणी के सदस्य सेवा सिंह नरवाल तथा जयसिंह धनखड़ ने प्रेक्षक की भूमिका निभाई। दोनों चुनाव में जिला प्रधान किताब सिंह भनवाला, उप प्रधान मिया सिंह खटकड़, महासचिव जगदीश चंद्र पांचाल, कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह ढांडा ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। जींद शहरी ईकाई के प्रधान जगदीश भनवाला, रिटायर्ड प्रिंसिपल उप प्रधान पुरुषोत्तम शर्मा, महासचिव जगदीश सिंगरोहा, सह सचिव रविशंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष राधे श्याम गर्ग और प्रचार सचिव नरेंद्र कुंडू व वरिष्ठ उप प्रधान नरेंद्र शर्मा को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर सतबीर भारद्वाज, सतबीर दूहन, उदय सिंह, केदारनाथ जागलान, कृष्ण चहल और गुरुदेव को चुना गया। जींद ग्रामीण ईकाई में प्रधान मिलाप सिंह इक्कस, महासचिव सतबीर सिंह कंडेला, सहसचिव जयप्रकाश खोखरी को चुना गया।

गांव हथवाला में डॉ. पुष्पा का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद



हथवाला गांव पहुंचने पर भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल का महिलाओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान महिलाओं ने उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया और विभिन्न सामाजिक एवं महिला हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। डा. पुष्पा ने कहा कि भाजपा में महिलाओं को सम्मान और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलते हैं। कहा कि संगठन से लेकर सरकार तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में भाजपा ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। तायल ने कहा कि महिलाओं को पंचायत से लेकर लोकसभा और विधानसभा तक 33% आरक्षण देने का प्रावधान महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कहा कि भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते महिला शौचालयों का निर्माण करवाया गया तथा बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए महिला कॉलेज स्थापित किए गए। महिलाओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से महिला थानों की स्थापना भी की गई है। डॉ.तायल ने कहा कि भाजपा की सोच समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। पार्टी का उद्देश्य गरीबों का कल्याणए महिलाओं को अधिक सम्मान और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित भाव मिलेए गरीब परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों तथा जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के अवसर मिलें, इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में बढ़.चढ़कर भागीदारी करें। इस अवसर पर गांव की अनेक महिलाएं मौजूद रहीं और उन्होंने डॉ. पुष्पा तायल का स्वागत करते अपने विचार भी साझा किए।

मोतीलाल नेहरू स्कूल में राष्ट्रपिता की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं प्रेरणादायक गतिविधियों के साथ मनाई

नन्हे-मुन्नों ने फैंसी ड्रेस के माध्यम से गांधी के आदर्शों को किया जीवंत

मोतीलाल स्कूल में गांधी जयंती पर विशेष सभा में गूंजा सत्य और अहिंसा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं प्रेरणादायक गतिविधियों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष सभा का आयोजन किया । जिसमें विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के जीवन, उनके विचारों व सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और देशभक्ति के संदेश को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गांधी जी के आदर्शों से परिचित करवाने के साथ-साथ उनके जीवन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। विशेष सभा के दौरान विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के जीवन एवं उनके योगदान पर आधारित भाषण, कविताओं तथा अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके विचारों को सामने रखा। बच्चों ने सत्य और अहिंसा को गांधी जी के जीवन का आधार बताते यह संदेश दिया कि जीवन में ईमानदारी, अनुशासन, प्रेम और आपसी सद्भाव का विशेष महत्व है। विद्यार्थियों ने गांधी जी द्वारा दिए गए स्वच्छता के संदेश को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया और साथ ही स्कूल के प्राथमिक विभाग में भी विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने ने उत्साहपूर्वक भाग लेते गांधी जी के विचारों एवं उनके व्यक्तित्व को मासूम और मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। इस अवसर पर बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस गतिविधि आयोजित की । बच्चे प्रेरणादायक एवं राष्ट्रीय व्यक्तित्वों के रूप में सजकर विद्यालय पहुंचे। उनकी वेशभूषा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। नन्हे बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका प्रस्तुत की और पात्रों से संबंधित संदेश भी दिए। बच्चों की मासूम अभिव्यक्ति आत्मविश्वास और रचनात्मकता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से आकर्षक बना दिया। सैपलिंग शाखा की गतिविधि के दौरान शिक्षकों ने बच्चों को गांधी जी के जीवन से जुड़ी सरल एवं प्रेरणादायक बातें बताईं।



जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो :हरिभूमि



अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जाएगी शोभा यात्रा

जींद। इस बार अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में जींद शहर में कई साल के बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में हाथी, घोड़े और कई तरह के बैंड आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यात्रा के दौरान हाथी पर सवार महाराजा अग्रसेन और 18 घोड़ों पर सवार उनके 18 बेटों के किरदार देखने योग्य होंगे। शोभा यात्रा को कामयाब बनाने को लेकर समस्त अग्रवाल समाज तैयारियों में जुटा है। बाल धर्मार्थ अस्पताल के प्रधान ईश्वर गोयल अग्रवाल समाज के प्रधान राजकुमार गोयल के प्रतिष्ठान पर अग्रसेन जयंती को कामयाब बनाने को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ एसडी स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के उप प्रधान राजीव गोयलए अग्रवाल वेलफेयर सोसायटी के कार्यकारी सदस्य अनिल दीवान, एसडी स्कूल कमेटी के कार्यकारी सदस्य अमित दीवान इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह शोभा यात्रा अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर 10 अक्टूबर को निकाली जाएगी। यात्रा रेलवे फाटक चक्कर रोड के पास स्थित गोपी राम धर्मशाला से शुरू होगी ,जो घंटाघर चौक, पालिका बाजार, सिटी पुलिस स्टेशन, रानी तालाब, गोहाना रोड के रास्ते अर्बन स्टेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला पर समाप्त होगी।

खबर संक्षेप

पौधरोपण कर करें पर्यावरण को शुद्ध

कैथल। सेवा संकल्प अभियान के तहत उधम सिंह पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी के चेयरमैन सतीश शर्मा सिरटा तथा सतपाल भारद्वाज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर नागरिकों को पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चेयरमैन सतीश शर्मा सिरटा ने कहा कि पौधारोपण अभियान के तहत हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को शुद्ध करना है। साथ ही लगाए गए पौधे की देखभाल भी करनी चाहिए।

20वां अखिल भारतीय ढुल खाप सम्मेलन 1 को

राजौंद। अखिल भारतीय ढुल खाप का 20वां सम्मेलन 1 नवंबर को रामराय गांव में नौगामा खाप के चबूतरे पर आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर खाप पदाधिकारियों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।इस संबंध में जानकारी देते हुए अखिल भारतीय ढुल खाप के उपप्रधान सतबीर ढुल ने बताया कि सम्मेलन में खाप के पदाधिकारी, सदस्य और समाज के गणमान्य लोग भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।उन्होंने बताया कि ढुल खाप का यह 20वां सम्मेलन समाज के लोगों को एक मंच पर एकत्रित करने का अवसर होगा।

जिले में 1635 मीट्रिक धान की हुई खरीद

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में धान की आवक एवं खरीद प्रक्रिया की सुचारू रूप से चल रही है। दो अक्टूबर तक जिले की मंडियों में पीआर धान की कुल 1,635 मीट्रिक टन की खरीद की गई है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 1,010 मीट्रिक टन, हैफेड ने 527 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने 98 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। डीसी अपराजिता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंडियों में पेयजल, सफाई, बिजली तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

गुलियाना सरकारी स्कूल में हुआ वालीबॉल मैच

राजौंद। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को ब्लॉक राजौंद के गांव गुलियाना स्थित राजकीय विद्यालय में खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान तलवारबाजी एवं वॉलीबॉल के मैच करवाए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी खिलाड़ियों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर गांव के सरपंच बलराज, एएसआई कृष्ण कुमार, पीजीटी कुलदीप, कबड्डी कोच राजेश, कबड्डी कोच रितु रानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पूंडरी अनाज मंडी में इनेलो ने अव्यवस्था के खिलाफ किया रोष प्रदर्शन

पंजाब में सरकार वोट मांगने में व्यस्त हरियाणा में किसान धान बेचने में पस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी अनाज मंडी में पीआर धान की सरकारी खरीद को लेकर इनेलो कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में रोष प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए धान खरीद व्यवस्था को लेकर किसानों को आ रही समस्याओं को उठाया। इस मौके पर मार्केट कमेटी के सचिव गुलाब नैन को किसानों की मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा गया।

रामपाल माजरा ने कहा कि एक तरफ सरकार पंजाब में वोट मांगने में लगी हुई है, वहीं दूसरी ओर हरियाणा का किसान अपनी धान की फसल बेचने के लिए मंडियों में परेशान हो रहा है। सरकार की ओर से खरीद शुरू होने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन मंडियों में किसानों को इसका लाभ नहीं मिल रहा। नमी के नाम पर किसानों की फसल की खरीद में आनाकानी की जा रही है। जिस धान की ढेरी पर वे और किसान खड़े हैं, उसमें 17 प्रतिशत नमी बताई जा रही है और उसे 2200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा जा रहा है। इनेलो नेताओं ने दावा किया कि इससे किसान को करीब 261 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं, जिन किसानों की धान में 15 प्रतिशत नमी है, उनकी फसल भी खरीद नहीं हो रही।

इनेलो नेताओं ने 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' में फसल की मैपिंग और मंडी रिकॉर्ड में मिसमैच की समस्या का मुद्दा भी उठाया। इसके चलते किसानों को अपनी फसल बेचने में परेशानी हो रही है। कई किसानों को नजदीकी दूसरे जिलों की मंडियों में फसल बेचने के लिए गेट पास नहीं मिलने का भी आरोप लगाया गया।

रामपाल माजरा ने बाजरे की खरीद को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बाजरे का घोषित भाव 2900 रुपये है, जबकि किसानों से करीब 1700 से 1800 रुपये में खरीद किए जाने की बात सामने आ रही है। इसी प्रकार धान की खरीद में भी किसानों को 200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल तक का नुकसान होने का आरोप लगाया।



पूंडरी। मंडी में किसानों की समस्या बताते प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा।



कैथल। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा किसानों से बातचीत करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अनिल तंवर, रामप्रकाश गोगी, हलकाध्यक्ष सुरजीत पबनावा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ईश्वर मैहला, युवा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पुजारी, युवा प्रधान सचिव सोनू सांगरोली, सरदार हरविंद्र सिंह फरल, सुखबीर राणा, रोहताश शर्मा, रतनलाल म्योली, जयपाल, लीलू पाई और रमेश बिहान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इनेलो प्रदेशाध्यक्ष 6 को मार्केट कमेटी कैथल में किसानों से मिलेंगे: अनिल तंवर

कैथल। इनेलो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी रामपाल माजरा, जिला प्रधान अनिल तंवर ग्योडक, कैथल व पुंडरी की अनाज मंडी में पहुंचे। उन्होंने 27 सितंबर को इनेलो की प्रदेश स्तरीय रैली को कामयाब करने के लिए सभी सभी हल्का पुंडरी व जिला कैथल के तमाम इनेलो कार्यकर्ताओं साथियों का धन्यवाद किया। साथ ही धान की खरीद में सरकार द्वारा धांधली करने बारे, खरीद न करने बारे सरकार के नाम ज्ञापन दिया। किसानों की समस्याएं सुनी एवं किसानों के हक में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष अनिल तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 अक्टूबर को कैथल अनाज मंडी जखोली अड्डा मार्केट कमेटी में तमाम जिला के इनेलो कार्यकर्ता साथी सुबह 10:00 बजे इकट्ठा होंगे। इसमें मुख्य अतिथि चौधरी रामपाल माजरा की शिरकत करेंगे। जिला वासियों का सफल रैली के लिए धन्यवाद करेंगे व जीरीकी खरीद में आ रही परेशानी के बारे में किसानों, मजदूरों के आढ़तियों से भी विचार विमर्श करेंगे।आज मुख्य तौर पर हल्का पुंडरी के प्रधान सुरजीत पबनावा, ईश्वर मेहला, राम प्रकाश जोगी, युवा जिला प्रधान देवेंद्र पुजारी, राजू करोडा, यशपाल करोडा, कुशल पाल टाया, रमेश भयान, लाल करोड़ा, मनीष मुंदडी, अभय राम मुक्कल, विजय बदराणा, साहिल कोल, लीलू पाई व सोहनलाल कौशिक मौजूद रहे।

11 व 12 को होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम



कैथल। सभा के प्रधान राम प्रताप गुप्ता अग्रसेन जयंती समारोह का न्योता देते हुए।

■ शोभायात्रा, ध्वज यात्रा, हास्य कवि सम्मेलन और मेगा लकी ड्रॉ रहेगा मुख्य आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह को लेकर अग्रवाल युवा सभा कैथल एवं समस्त अग्रवाल समाज और महिला इकाई की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समारोह के तहत 11 व 12 अक्टूबर को शहर में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अग्रवाल युवा सभा के प्रधान राम प्रताप गुप्ता के निवास स्थान पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता में सभा के महासचिव मोहनलाल गुप्ता ने वर्ष 2025-26 के दौरान अग्रवाल युवा सभा की ओर से किए गए सामाजिक एवं सेवा कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्षभर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। सभा के प्रधान राम प्रताप गुप्ता ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के तहत 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे महाराजा अग्रसेन शक्तिपीठ, पिहोवा चौक पर हवन-यज्ञ होगा। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे गीता भवन मंदिर, कमेटी चौक से भव्य शोभायात्रा एवं ध्वज यात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा मुख्य बाजार, छात्रावास रोड, पुराना बस स्टैंड और पिहोवा चौक होते हुए गीता भवन मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के दौरान महिला इकाई की सदस्यों के लिए विशेष कूपन की व्यवस्था की गई है।

रात्रि भोज भी होगा

12 अक्टूबर को शाम 6 बजे वृंदावन गार्डन, ढांड रोड, कैथल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न कलाकारों और कवियों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। महिला इकाई की ओर से भी विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान रात्रिभोज की व्यवस्था भी रहेगी। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नवीन जिंदल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व मंत्री असीम गोयल, भिवानी विधायक घनश्याम सराफ और पूर्व मंत्री गोपाल कांडा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में कैथल के आयुष धांदी ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल के उभरते जूडो खिलाड़ी आयुष धांदी ने राष्ट्रीय स्तर की जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 के 25 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता का आयोजन मिनर्वा पब्लिक स्कूल, जींद रोड, असंध में किया गया। आयुष धांदी, एडवोकेट राम मेहर धांदी के पुत्र हैं। आयुष कैथल के रहने वाले हैं और महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम, करनाल रोड, कैथल में नियमित रूप से जूडो का प्रशिक्षण लेते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने से पहले आयुष ने सीबीएसई नॉर्थ जोन-2 जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया था। इसके बाद उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। आयुष की इस सफलता में उनके बड़े भाई अरुष धांदी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। अरुष नियमित रूप से आयुष के साथ जूडो का अभ्यास करते हैं और प्रतियोगिताओं की तैयारी में उसका उत्साह बढ़ाते हैं। दोनों भाई महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम में नियमित रूप से जूडो का प्रशिक्षण लेते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक जीतने पर परिवार, विद्यालय, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने आयुष को बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



कैथल। राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाले कैथल के खिलाड़ी आयुष धांदी अपने कोच के साथ।

महिंदर कुमार शर्मा को दी विदाई पार्टी

पूंडरी। हरियाणा ग्रामीण बैंक की कुरुक्षेत्र शाखा के मुख्य प्रबंधक महिंदर कुमार शर्मा फरल को सेवानिवृत्ति पर विदाई पार्टी दी गई। विदाई समारोह में बैंक प्रबंधन और स्टाफ की ओर से उन्हें शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा किए और उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अपने संबोधन में महिंदर कुमार शर्मा ने बैंक प्रबंधन और सभी साथी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा ग्रामीण बैंक उनके लिए केवल कार्यस्थल नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह रहा है।

विद्यार्थियों और अध्यापकों को साइबर ठगी से बचाव के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

थाना साइबर क्राइम प्रभारी इंस्पेक्टर साहिल व एचसी कृष्ण कुमार की टीम द्वारा शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलवंती में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों व अध्यापकों को साइबर ठगों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को अलग-अलग तरीकों से अपने जाल में फंसाकर उनके बैंक खातों से रकम ठग लेते हैं। ठग कभी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, रिश्तेदार, परिचित या किसी सरकारी विभाग का कर्मचारी बनकर फोन करते हैं, तो कभी नौकरी, इनाम, केवाईसी अपडेट अथवा अन्य किसी बहाने से लोगों से व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। विद्यार्थियों को समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम/डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई पिन साझा न करें।



कैथल। विद्यार्थियों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि



पूंडरी। कार्यशाला में बच्चों को टिप्स देतीं डॉ. सुनैना सिंह। फोटो : हरिभूमि

बच्चों की पढ़ाई के साथ भावनात्मक विकास पर भी ध्यान दें अभिभावक

पूंडरी। फतेहपुर पूंडरी स्थित ध्रुव पब्लिक स्कूल की ओर से शनिवार को द हेवन रिसोर्ट में अभिभावकों के लिए 'कुछ जरूरी बातें' विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता कैप्टन डॉ. सुनैना सिंह, पीएचडी मनोविज्ञान एवं पूर्व सेना अधिकारी ने अभिभावकों को बच्चों के व्यवहार, भावनात्मक जरूरतों और उनके सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डॉ. सुनैना सिंह ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए केवल उनकी पढ़ाई पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके भावनात्मक एवं सामाजिक विकास को समझना भी जरूरी है। अभिभावकों को बच्चों की भावनाओं को पहचानने, उनसे सकारात्मक संवाद स्थापित करने और उनके साथ विश्वासपूर्ण संबंध बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इंडस प्ले स्कूल में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक

■ बच्चों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट भी अभिभावकों को दिखाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

इंडस प्ले स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में आए अभिभावकों का स्वागत किया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, गतिविधियों एवं उनके प्रदर्शन के बारे में चर्चा की।

बैठक के दौरान बच्चों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट भी अभिभावकों को दिखाए गए, जिससे अभिभावकों को बच्चों की रचनात्मकता एवं सीखने की प्रक्रिया को करीब से देखने का अवसर मिला। इस दौरान अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को उन्नत बनाने को लेकर अध्यापकों से गहन विचार विमर्श भी किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर सुभाष श्योरान, प्रधानाचार्य तन्नू पुनिया, डायरेक्टर अभिषेक सहारण एवं हेडमिस्ट्रेस अनीता मनचंदा उपस्थित रहे। उन्होंने अभिभावकों से संवाद करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।



कैथल। प्रधानाचार्य तन्नू पुनिया से बातचीत करते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर पूंडरी के 16 मरीजों को मिली नई रोशनी

पूंडरी। सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा पुंडरी हल्का में चलाए गए स्वास्थ्य अभियान के तहत मोतियाबिंद से पीड़ित 21 मरीजों को उपचार के लिए महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा भेजा गया था। मेडिकल कॉलेज में जरनल डीपी वत्स पूर्व राज्यसभा सांसद एवं एडवाइजर महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा की देखरेख में प्रारंभिक जांच के बाद 16 मरीजों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। सभी लाभार्थी ऑपरेशन करवाने के बाद, दवाई लेकर कुशलतापूर्वक पुंडरी लौट चुके हैं। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में सफल ऑपरेशन कराने वाले मरीजों ने कहा कि आंखों की समस्या के कारण उन्हें दैनिक जीवन में काफी परेशानी होती थी। निःशुल्क जांच और ऑपरेशन की सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है।



पूंडरी। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का किया गया सम्मान

सीवन। गांव मांडी सदरां में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बेहतर सेवाओं के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सही पोषण, स्वास्थ्य और विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं को संतुलित आहार, बच्चों के स्वास्थ्य और देखभाल पर ध्यान देने के साथ विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें विभाग की विभिन्न योजनाओं का किस प्रकार लाभ मिला है।

आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ संवाद पर हुआ विशेष कार्यक्रम

कैथल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ब्लॉक कैथल ग्रामीण एवं सीवन में आयोजित तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तीसरे दिन 'आंगनवाड़ी सम्मान एवं मातृ संवाद' विषय पर विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यक्रम अधिकारी सपना तथा महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी गुरजीत कौर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम तथा आशा वर्करों को उनके उत्कृष्ट योगदान एवं विभागीय सेवाओं में सक्रिय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।

भक्तिमय हुआ वातावरण, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने की शिरकत

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

नगर के दुर्गा मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कथा के शुभारंभ से पूर्व महिलाओं एवं श्रद्धालुओं की ओर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। धार्मिक आयोजन में पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और चेयरमैन अमरपाल राणा ने विशेष रूप से शिरकत की।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया।कलश यात्रा दुर्गा मंदिर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस मंदिर परिसर में पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ भगवान का स्मरण किया। नगर परिक्रमा के बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया।



राजौंद। दुर्गा मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा में भाग लेतीं महिलाएं एवं श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

धार्मिक आयोजन से मिलती है सत्य की प्रेरणा

इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक ज्ञान और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से मनुष्य को जीवन में सत्य, धर्म, प्रेम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। भागवत कथा केवल धार्मिक श्रवण का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली आध्यात्मिक शिक्षा भी है।उन्होंने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में मनुष्य को मानसिक शांति और सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। भगवान की भक्ति और अच्छे कर्मों से ही समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। कमलेश ढांडा ने धार्मिक आयोजन के लिए मंदिर कमेटी और श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के साथ-साथ लोगों को एकजुट करने का कार्य करते हैं।आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल रही और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

पीएमएफएमई योजना के जरिए पाई सफलता

कैथल। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना के तहत सरकारी सहायता का लाभ उठाकर कैथल के पाडला बाईपास चौक निवासी विनीत गर्ग ने अपने ऑयल प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग व्यवसाय को विस्तार दिया है। योजना के तहत 25 लाख रुपये की परियोजना लागत पर उन्हें 10 लाख रुपये की सहायता प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग मशीन और प्रसंस्करण उपकरण स्थापित कर उत्पादन क्षमता बढ़ाई। विनीत गर्ग ने बताया कि व्यवसाय के विस्तार के लिए पूंजी की आवश्यकता थी। इसी दौरान उन्हें पीएमएफएमई योजना की जानकारी मिली और उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया। आर्थिक सहायता मिलने के बाद उत्पादन, पैकेजिंग और मार्केटिंग व्यवस्था में सुधार हुआ।

खबर संक्षेप

गर्भवती महिला की गोद भराई की रस्म करवाई

पूंडरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन मुंदड़ी गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सचिव महिला मोर्चा भाजपा एवं जिला संयोजक आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम निधि मोहन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर अनीता सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं लाभार्थी महिलाएं मौजूद रहीं। इस अवसर पर गर्भवती महिला की गोद भराई की रस्म भी करवाई गई। सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया।

कलायत वार्ड-8 में चलाया सफाई अभियान

कलायत। सेवा संकल्प अभियान के तहत कलायत के वार्ड नंबर-8 में सफाई अभियान के साथ-साथ पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में राजेश वैद्य एवं प्रवीण कंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों में भाग लेते हुए स्वच्छ एवं हरित वातावरण के महत्व पर जोर दिया।

वीर गाथा व सैन्य सम्मान पर व्याख्यान

नरवाना। शनिवार को एसडी महिला महाविद्यालय, नरवाना में एनसीसी कैडेट्स के लिए वीर गाथा एवं सैन्य सम्मान विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम लेफ्टिनेंट डॉ. नयनदीप के निर्देशन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर एनसीसी ट्रेनर गुरमीत ने भारतीय वीरों के साहस, त्याग, सैन्य सेवा एवं गौरवशाली इतिहास के बारे में एनसीसी कैडेट्स को विस्तार से जानकारी दी।

दिलबाग अकेला करनाल में हुए सम्मानित

कैथल। साहित्य सभा एवं सद्भावना साहित्य सदन से जुड़े कवि दिलबाग अकेला को करनाल की साहित्यिक संस्था कारवां-ए-अदब संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। एमडीडी बाल सदन में संस्था के संस्थापक डा. एसके शर्मा की 85वीं जयंती पर आयोजित सम्मान-समारोह एवं कवि-सम्मेलन में डा. दिलबाग अकेला डा. एसके शर्मा स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि डा. नीना अरोड़ा, रेशमा कल्याण, विशिष्ट अतिथि डा. प्रेम सेठी से प्राप्त हुआ।

सड़क निर्माण को लेकर इनेलो ने की चर्चा

राजौंद। इनेलो ओबीसी मोर्चा के जिला प्रधान सोनू वर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राजौंद में सड़क निर्माण को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण कार्य को लेकर कार्यकर्ताओं से सुझाव लिए और क्षेत्र की समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया। सोनू वर्मा ने कहा कि सड़क निर्माण से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलेगी। उन्होंने सहयोग करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया।

उचाना में ब्लॉकस्तरीय सम्मेलन में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी में गड़बड़ी किसने की, इस पर भी मंथन करना जरूरी : सैलजा

राव नरेंद्र सिंह का दावा : 2029 से पहले चली जाएगी भाजपा सरकार, बृजेंद्र सिंह बोले : तीन हार के कर्णधार चौथी बार भी पार्टी को सत्ता से बाहर रखने की तैयारी में

हरिभूमि न्यूज ⏭ उचाना



उचाना। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को लड्डुओं से तोलते हुए। फोटो : हरिभूमि



उचाना। कांग्रेस ब्लॉकस्तरीय सम्मेलन में पहुंचे कांग्रेस के बड़े नेता।



उचाना। कांग्रेस ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन में उमड़ी भीड़। फोटो : हरिभूमि

उचाना स्थित राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना प्रांगण में शनिवार को कांग्रेस के ब्लॉकस्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, सांसद कुमारी सैलजा, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, विधायक आदित्य सुरजेवाला सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता पहुंचे। मीटिंग में प्रस्ताव पास किया गया कि राहुल गांधी के द्वारा प्रतिरोध के आह्वान का समर्थन करते हुए हजारों की संख्या सड़कों पर उतरकर बीजेपी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निरंतर लड़ाई जारी रखेंगे। घोघड़िया गांव के सर्वजातीय समाज ने पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। महिला नेत्री राजिया बानो ने पार्टी प्रदेशाध्यक्ष, पार्टी प्रभारी को लड्डुओं से तोला।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कांग्रेस के अंदर चल रही गुटबाजी को लेकर कहा कि कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं। एक वे हैं जिनके दिल में कांग्रेस है और दूसरे वे हैं जो कांग्रेस में घुस रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से बेईमानी करने के बाद भी खुद को कांग्रेसी बताने वालों से पार्टी को नुकसान होता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार 2029 से पहले चली जाएगी। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने बीरेंद्र सिंह के भाजपा में जाने के संदर्भ में कहा कि वे किन परिस्थितियों में भाजपा में गए, यह सभी जानते हैं। उन्होंने पार्टी के भीतर एकजुटता की बात पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस में सभी साथ थे फिर दूरी किसने पैदा की और पार्टी में गड़बड़ी किसने की इस पर भी विचार होना चाहिए। सत्ता और संगठन की जिम्मेदारी जिनके हाथ में रही, उन्हें सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए था। परिस्थितियां ऐसी बनीं कि बीरेंद्र सिंह, राव इंद्रजीत सिंह, किरण चौधरी सहित कई नेताओं को कांग्रेस छोड़नी पड़ी।

राव नरेंद्र बोले-70 सीटों के लक्ष्य के साथ उतरें

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से मैदान में उतरना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 70 विधानसभा सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ काम करने का आह्वान किया। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना होगा और गांव-गांव, घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करना होगा। उन्होंने ईवीएम को लेकर भी कार्यकर्ताओं के सामने लक्ष्य रखा और जनता के भरोसे को कांग्रेस के पक्ष में मजबूत करने की बात कही। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि ब्लॉक सम्मेलन के बाद प्रदेश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में भी आयोजित किए जाएंगे।

कांग्रेस में आस्था रखने वालों को बुलाया: बृजेंद्र

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस तीन चुनाव हार चुकी है। उन्होंने कहा कि तीन बार हार के बाद भी जिन लोगों की भूमिका रही, वही चौथी बार भी कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखने की तैयारी कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं और उन्हें भी पता चल गया होगा कि पार्टी के अंदर क्या चल रहा है तथा कार्यकर्ताओं को किस प्रकार दबाया जाता है। सम्मेलन में कांग्रेस में आस्था रखने वाले लोगों को बुलाया गया है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर प्रहलाद गिल्लाखेड़ा, जोगीराम कलायत, रिषिपाल हैबतपुर, जयभगवान गोयल, सज्जन सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रदीप पालवां, डा. राजेश श्योकंद, संजीव डूमरखां, कुमार अनिल, राममेहर दनौदा, विजेंद्र सिंह, जसबीर कुंडू, राजेंद्र चहल, कैलाश सिंगला, रामकुमार घोघड़िया, सुरेंद्र गर्ग, अशोक सिवाच, अशोक सुदकैन, लाजवंति ढिल्लो, सतबीर कसूहन, कुलदीप काकड़ोद, दिलबाग श्योकंद, कंवल सिंह, अजमेर वकील, अनूप श्योकंद, दीपक डूमरखां, मा. अमित, संजीव ढाकल, सुरेंद्र श्योकंद, अनूप खेड़ी मंसानिया, गुरनाम पालवां, मंजीत काबड़छा, अंजू खटकड़, बबली मान, महाबीर दरोली, दलबीर मुंडे मौजूद रहे।



जुलाना। राज्य सभा सांसद कर्मबीर बौद्ध को मांगपत्र सौंपते सभा के सदस्य।

जुलाना में बनेगी हाईटेक लाइब्रेरी : सुरेंद्र फौजी

जुलाना। जुलाना शहर के वार्ड नंबर पांच स्थित संत रविदास चौपाल में अब हाईटेक लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध ने लाइब्रेरी के निर्माण के लिए पांच लाख रुपये की ग्रांट दी है। लाइब्रेरी बनने से विद्यार्थियोंए युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इस लाइब्रेरी से जुड़ी एक खास बात यह भी है कि जुलाना राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध की ससुराल है। जिस संत रविदास चौपाल में कर्मवीर बौद्ध अपनी बारात लेकर आए थेए अब उसी चौपाल में हाईटेक लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इस तरह यह चौपाल सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का भी केंद्र बनेगी। संत शिरोमणि सभा जुलाना के प्रधान सुरेंद्र फौजी ने कहा कि जुलाना की धरती से उनका विशेष पारिवारिक जुड़ाव है और उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोग देकर युवाओं के हित में सराहनीय पहल की है। उन्होंने कहा कि पांच लाख रुपये का यह ग्रांट विद्यार्थियों के लिए बेहतर अध्ययन सुविधा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। संत रविदास चौपाल में हाईटेक लाइब्रेरी बनने से विद्यार्थियों को शांत एवं सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर स्वामी सदानंद नरेंद्र कालसन, राजबीर मास्टर, सुल्तान, चरणदास मेहंदिया आदि मौजूद रहे।



जुलाना। बैठक में विचार विमर्श करते ऑल इंडिया खेत मजदूर संगठन के पदाधिकारी।

एमएसपी पर धान की खरीद सुनिश्चित करे सरकार : राजकुमार सारसा

ढांड। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की जिला कमेटी की बैठक जिला कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य कमेटी सदस्य कामरेड बाबूराम ने की। संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा और जिला सचिव कृष्ण चंद ने जारी बयान में हरियाणा सरकार से मंडियों में धान की खरीद जल्द शुरू करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि धान की आवक से मंडियां भर चुकी हैं, लेकिन सरकार के दावों के बावजूद खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से शुरू नहीं हो पाई है। किसानों को गेट पास कटवाने में देरी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मंडियों में पहुंच चुकी धान की फसल का समय पर उठान नहीं होने के कारण सड़कों पर धान की ढेरियां लगी हुई हैं। इससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार किसानों की पूरी फसल खरीदने का दावा कर रही है, लेकिन मंडियों में धान की खरीद के लिए अभी तक पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और राइस मिलर्स की मिलीभगत के कारण किसानों की फसल को कम कीमत पर खरीदने की स्थिति पैदा की जा रही है।

मेरा वोट, मेरा अधिकार पर किया जागरूक

- हिंदू कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता सत्र आयोजित, 60 छात्राओं ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद



जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

हिंदू कन्या कालेज में शनिवार को चुनावी साक्षरता क्लब की ओर से मेरा वोटए मेरा अधिकार, मेरी जिम्मेदारी विषय पर मतदाता जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा के सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य छात्राओं को मतदान के महत्व, मताधिकार और एक जागरूक एवं जिम्मेदार मतदाता के रूप में उनकी भूमिका से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम का संयोजन चुनावी साक्षरता क्लब की संयोजिका डा. सुषमा गर्ग ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। राजनीति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका क्रांति ने स्रोत व्यक्ति के रूप में छात्राओं को मतदान प्रक्रिया, मतदाता अधिकार एवं कर्तव्यों तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और जागरूक मतदान के महत्व की जानकारी दी। सत्र में महाविद्यालय की करीब 60 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने मतदान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदार भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

एसआईआर के खिलाफ 8 को करेंगे प्रदर्शन

- इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने बनाई आंदोलन की रूपरेखा, मतदाता अधिकारों का मुद्दा उठाएंगे विपक्षी दल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद



जींद। बैठक में भाग लेते हुए संगठन पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर इंडिया गठबंधन के स्थानीय घटक दलों ने आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। शनिवार को कांग्रेस भवन में गठबंधन से जुड़े नेताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता रमेश चंद्र ने की। बैठक में कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर, माकपा नेता कपूर शर्मा, भाकपा माले के विनोद व प्रेम सिंह तथा नागरिक मंच से सुधीर शास्त्री और विकास सहित अन्य नेता मौजूद रहे। बैठक में एसआईआर की प्रक्रिया तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ छह अक्टूबर को जिला स्तर पर प्रेसवार्ता करने का निर्णय लिया गया। गठबंधन नेताओं ने कहा कि प्रेसवार्ता में मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने सहित एसआईआर से जुड़े विभिन्न सवालों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इसके अलावा आठ अक्टूबर को रानी तालाब पर स्थित डा. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा से लघु सचिवालय पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया।

आंदोलन पर चर्चा

बैठक में प्रदर्शन को व्यापक बनाने तथा विभिन्न वर्गों के लोगों को इसमें शामिल करने पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम होना लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा विषय है। एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रक्रिया के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के सामने अपने नाम और अधिकार को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हुई है। गठबंधन नेताओं ने मांग की कि मतदाता सूची से संबंधित सभी आपत्तियों का पारदर्शी ढंग से समाधान किया जाए और पात्र मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रखे जाएं।



महालक्ष्मी व्रत पर महिलाओं ने की भजन-कीर्तन से माता की आराधना

राजौंद। नगर के दुर्गा मंदिर में पितृ पक्ष की सप्तमी के अवसर पर पंजाबी समुदाय की महिलाओं द्वारा महालक्ष्मी व्रत का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन कर माता महालक्ष्मी की आराधना की तथा परिवार की सुख-शांति और बच्चों की लंबी आयु की कामना की।महिलाओं ने बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार पितृ पक्ष में आने वाली सप्तमी तिथि को महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। इस व्रत का उद्देश्य माता महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना और परिवार में सुख-समृद्धि बनाए रखना माना जाता है। विशेष रूप से महिलाएं अपने बच्चों की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर यह व्रत रखती हैं।इस अवसर पर महिलाओं ने विधि-विधान से माता महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की और कथा का श्रवण किया। भजन-कीर्तन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

राष्ट्र निर्माण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद



जींद। सम्मेलन में भाग लेते हुए विजेंद्र ढाठरथ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा द्वारा जिला अध्यक्ष विजेंद्र ढाठरथ के संयोजन में तीन व चार अक्टूबर को राष्ट्र निर्माण का अखिल भारतीय अभियान सर्वोदय संकल्प शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय शिविर ब्राह्मण धर्मशाला पिल्लूखेड़ा मंडी में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूती प्रदान करना तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाना है। संगठन के पदाधिकारियों ने सर्वोदय संकल्प शिविर में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया है।

शिविर में इनका मिलेगा साथ

कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुभाष गांगोली, प्रदेश अध्यक्ष फोम लाल फिरोजपुर, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष निर्मल चौहान, हरियाणा प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंह पूनिया, राज्य महासचिव संजय मलिक, प्रदेश सचिव रिषि जानी, रणबीर बुसलाना, विक्रम कुंडू, सत्यवान शर्मा, ईश्वर अलेवा, देवी सिंह रोड़, परमजीत रजाना, रामनिवास फौजी, प्रदीप लाठर, राजेंद्र शयोकंद, ईश्वर पेगां, मनोज नायक, अनिल खटकड़, गुलाब रिटोली, शमशेर मांडी, संजय सरडा, नवीन सरपंच, गुरपेज विर्क, विजयपाल सरपंच और रमेश जामनी की उपस्थिति रहेगी।

इंडस स्कूल में तलवारबाजी प्रतियोगिता 10 अक्टूबर से

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

- आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र की एक-एक प्रति लानी होगी

जिला तलवारबाजी संघ की ओर से वर्ष 2026-27 की जिलास्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 12 अक्टूबर तक इंडस पब्लिक स्कूल जींद में किया जाएगा। प्रतियोगिता में अंडर 14 सब जूनियर और अंडर 20 जूनियर आयुवर्ग के लड़के और लड़कियां भाग ले सकेंगे। जिला तलवारबाजी संघ के प्रधान सुभाष श्योराण और जिला सचिव दिनेश सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। संघ पदाधिकारियों के अनुसार सभी खिलाड़ियों को 10 अक्टूबर को दोपहर बाद तीन बजे इंडस पब्लिक स्कूल जींद में अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी होगी। खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र की एक-एक प्रति लानी अनिवार्य है। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे होने वाली प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

पर्यावरण जागरूकता का दिया संदेश



राजौंद। नगर के दुर्गा मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर धार्मिक गतिविधियों के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कथा से पूर्व पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और चेयरमैन अमरपाल राणा ने मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पौधा लगाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति का अनमोल उपहार हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295154800, 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

खेल कीर्ति शर्मा रिटौली व नीरू ढांडा संगतपुरा के स्वर्ण पदक जीतने पर खुशी मनाई

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया अनुकूल वातावरण : कर्मवीर सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद



जींद। पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता कीर्ति शर्मा और नीरू ढांडा की सफलता पर मिठाई बांटते राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी।

जींद जिले के गांव रिटौली की बेटी कीर्ति शर्मा और संगतपुरा की बेटी नीरू ढांडा द्वारा एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में मिठाई बांटकर खुशी मनाई। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को जींद के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि बेटियों ने मेहनत और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कीर्ति शर्मा के पिता को फोन कर बेटी की उपलब्धि पर बधाई भी दी। इस दौरान बातचीत में कर्मवीर सैनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल करना आसान नहीं होता। इसके पीछे खिलाड़ियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन, अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण होता है। कीर्ति शर्मा और नीरू ढांडा ने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं में भी विश्व स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है।

खिलाड़ियों को मिल रहा प्रोत्साहन

राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। प्रदेश की खेल नीति के तहत खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, खेल सुविधाएं, प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस मौके पर जींद नगर परिषद चेयरपर्सन के प्रतिनिधि राज सैनी, जिला पार्षद विनोद सैनी, जगदीश कश्यप, जय किशन सैनी, राजा सैनी, सुशील सरपंच भूराण, शमशेर सरपंच बहादुरगढ़ वीरेंद्र सरपंच सरफाबाद, संजय परमार, ईश्वर प्रधान, पूर्व चेयरमैन शमशेर सिंह नारनौंद, जसवीर सैनी, हरेंद्र एमसी, राजा जलालपुरा, हरभजन आदि मौजूद रहे।

फर्जी कस्टमर केयर नंबर से हो रहा फ्रॉड

कैथल। तकनीक के इस युग में साइबर अपराधी भी अपराध करने के नए नए तरीके अपना रहे हैं। जिसमें एक तरीका फर्जी कस्टमर केयर बनकर लोगों के रुपये ठगना है। साइबर अपराधी फर्जी कस्टमर केयर नंबरों के जरिये आम लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। आम लोग किसी भी कंपनी के कस्टमर केयर का नंबर पाने के लिए गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसा करते समय कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है, क्योंकि साइबर अपराधी आपकी एक चूक की ताक में बैठे हुए हैं। फेसबुक और ट्विटर से लेकर गूगल तक ये अपराधी फेक कस्टमर केयर नम्बर डालकर रखते हैं। आपने जरा सी गलती की और आप साइबर अपराधियों के जाल में फंस जाते हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 अक्टूबर 2026

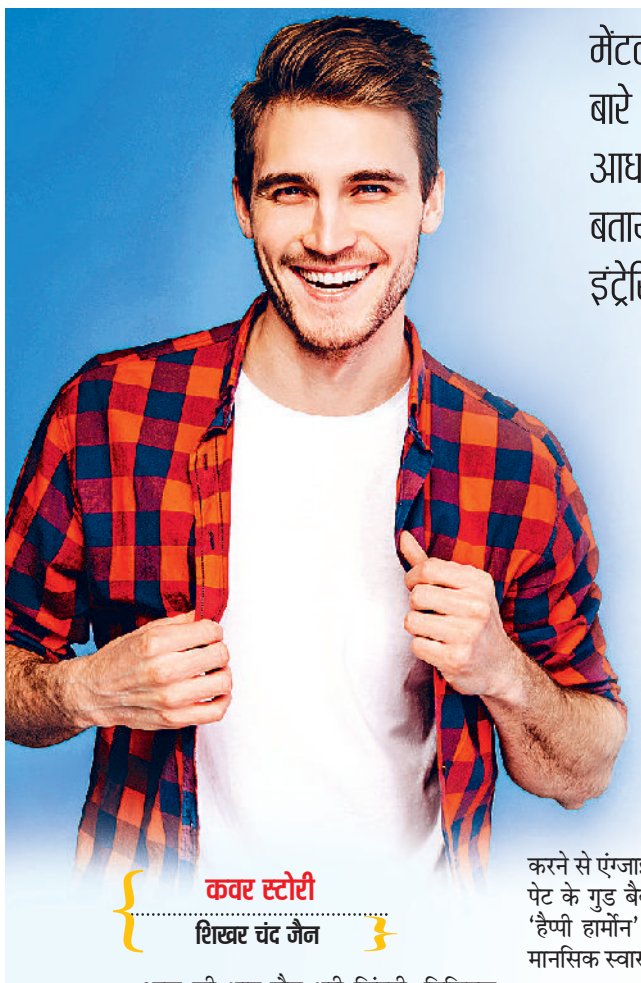

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

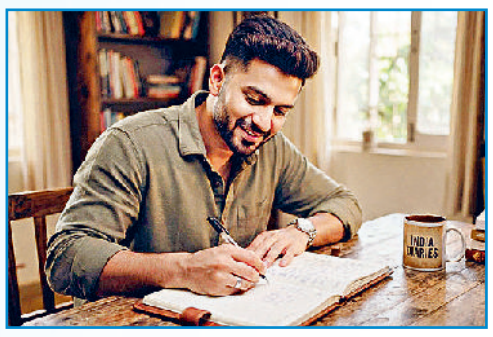



कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।





वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *



न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्धम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

विशेषः इंडियन एयर फोर्स डे, 8 अक्टूबर

सुरक्षा-पराक्रम-सेवा की मिसाल भारतीय वायु सेना

आसमान की ऊंचाइयों से देश की सीमाओं की चौकसी, दुर्गम मोर्चों पर साहस और संकट की घड़ी में नागरिकों के लिए जीवनरक्षक बनकर उतरना- भारतीय वायु सेना की पहचान बहुआयामी है। वायु सेना दिवस (8 अक्टूबर) के अवसर पर आपको भी जानना चाहिए भारतीय वायु सेना की विशिष्टताओं और इसकी निरंतर बढ़ती शक्ति के बारे में।



गर्व
शिखर चंद जैन

भारतीय वायु सेना, देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली सशस्त्र सेनाओं का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवशाली अंग है। 8 अक्टूबर 1932 को स्थापित हुई हमारी वायु सेना आज अपनी बेजोड़ युद्धक क्षमता, अत्याधुनिक तकनीकों और मानवीय दृष्टिकोण के कारण दुनिया भर में एक मिसाल बन चुकी है। 'नभः स्पृशं दीप्तम्' यानी 'गर्व के साथ आकाश को छुओ', इस आदर्श वाक्य को चरितार्थ करने वाली हमारी वायु सेना न केवल युद्ध के मैदान में दुश्मनों के छक्के छुड़ाती है, बल्कि शांति काल में भी देश के नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है।

सबसे ऊंचे और कठिन क्षेत्रों में संचालनः भारतीय वायु सेना के पास दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊंचे इलाकों में विमान उड़ाने का अनूठा अनुभव है। लद्दाख में स्थित दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी पर 16,604 फीट की ऊंचाई पर विमान उतारकर वायु सेना ने एक विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। इसके अलावा, सियाचिन ग्लेशियर पर 22,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सैन्य चौकियों तक नियमित रसद और जीवन रक्षक सामग्रियां पहुंचाना वायु सेना के हेलीकॉप्टर पायलटों के अदम्य साहस को दर्शाता है।

एशिया का सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन- हिंडन एयरबेसः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित हिंडन एयरबेस भारतीय वायु सेना का एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र है। यह पूरे एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का सातवां सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन माना जाता है। यह एयरबेस देश की राजधानी दिल्ली की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। यहीं से कई बड़े सैन्य अभियानों का संचालन और समन्वय किया जाता है।

युद्धों और सैन्य अभियानों का गौरवशाली इतिहासः आजादी के बाद से भारतीय वायु सेना ने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए कई बड़े युद्धों में हिस्सा लिया है, जिनमें 1947, 1965, 1971 और 1999 (कारगिल युद्ध) के भारत-पाकिस्तान युद्ध तथा 1962 का भारत-चीन युद्ध शामिल हैं। इनके अलावा ऑपरेशन मेघदूत (1984) सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया ऐतिहासिक अभियान था। जबकि ऑपरेशन सफेद सागर (1999) के नाम से कारगिल युद्ध के दौरान पहाड़ों की चोटियों पर छिपे घुसपैठियों पर सटीक हवाई हमले किए गए। बहुचर्चित बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर की गई आधुनिक सर्जिकल स्ट्राइक का सबसे बेहतरीन उदाहरण बन गया।



पिछले साल मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ निर्णायक और सटीक कार्रवाई करके दुनिया भर में अपनी धाक जमा ली।

विश्व की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाः भारतीय वायुसेना, अमेरिका और रूस की वायु सेना के बाद दुनिया की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायु सेना है। लगभग 1,40,000 से अधिक सक्रिय सैनिकों और 1,500 से अधिक विमानों के विशाल बेड़े के साथ यह एशिया और वैश्विक स्तर पर रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में एक बड़ी भूमिका निभाती है। भारतीय वायु सेना के पास विभिन्न प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए एक बेहद संतुलित और अत्याधुनिक विमानों का बेड़ा है। इस बेड़े में राफेल, सुखोई, मिराज और मिग-29 जैसे दुनिया के अत्याधुनिक और बेहतरीन लड़ाकू विमान शामिल हैं।

स्वदेशीकरण में बड़ी छलांगः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित 'तेजस' एक हल्का, बहुउद्देशीय और चौथी पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान है जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है। इसके अलावा, भारत में ही निर्मित 'प्रचंड' हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' वायु सेना की मारक क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जो ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी दुश्मन को नेस्तनाबूत कर सकते हैं।

रणनीतिक-विशाल परिवहन क्षमताः भारतीय वायु सेना एक साथ सी-17 ग्लोबमास्टर-3, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और इल्युशिन II-76 जैसे विशालकाय मालवाहक विमानों का संचालन करती है। इनकी मदद से भारी टैंकों, तोपों और सैनिकों को कुछ देर में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

मानवीय सहायता-आपदा राहत में हरदम आगेः युद्ध कौशल के अलावा, भारतीय वायु सेना को उसकी असाधारण मानवीय सेवा के लिए भी जाना जाता है। देश के भीतर बाढ़, भूकंप, चक्रवात या कोई भी प्राकृतिक आपदा हो या फिर कोई वैश्विक महामारी, वायु सेना के हेलीकॉप्टर 'दूत' बनकर आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा करने को पहुंच जाते हैं। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपदा के समय भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन राहत, ऑपरेशन कावेरी जैसे अभियानों के जरिए राहत एवं बचाव कार्य करके अपनी वैश्विक पहचान बनाई। *



अपराजेय गरुड़ कमांडो फोर्स

भारतीय वायु सेना के पास अपनी एक अत्यंत कुशल और घातक विशेष बल इकाई है, जिसे 'गरुड़ कमांडो फोर्स' कहा जाता है। वर्ष 2004 में स्थापित इस बल का मुख्य काम वायु सेना के महत्वपूर्ण ठिकानों, एयरबेस और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना, आतंकवाद विरोधी अभियान, हवाई बचाव कार्य और युद्ध के समय दुश्मन के इलाके में जाकर महत्वपूर्ण मिशनों को अंजाम देना शामिल है।

इसमें संदह नहीं कि एआई ने अनेक कामों को ईजी बनाया है। ऐसे में अपनी प्रोफेशनल वैल्यू बनाए रखने, उसमें ग्रोथ करने और बेहतर तरीके से काम को अंजाम देने के लिए रेग्युलर स्किल अपडेट्स करना जरूरी है।

एआई के दौर में बहुत जरूरी हैं रेग्युलर स्किल अपडेट्स

सजेशन
अंजू जैन



एक समय था जब नौकरी पाने के लिए डिग्री पर्याप्त मानी जाती थी। फिर डिग्री के साथ टेक्निकल या कंप्यूटर नॉलेज और अंग्रेजी बोलना जरूरी हो गया। अब एआई को समझना, उसे हैंडल करना भी जरूरी होता जा रहा है।

तकनीक के साथ समझ जरूरीः विश्व आर्थिक मंच की फ्यूचर ऑफ जॉब्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक लगभग 40 प्रतिशत वर्क स्किल में बदलाव आने की उम्मीद है। एआई और बिग डेटा की समझ की जरूरत है, लेकिन एनालिटिकल सोच, क्रिएटिविटी, लचीलापन, लीडरशिप और सीखते रहने की क्षमता भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का आकलन भी बताता है कि दुनिया के लगभग हर चार में से एक काम में जेनरेटिव एआई का कुछ न कुछ एक्सपोजर है, लेकिन अधिकांश मामलों में तस्वीर नौकरी के पूरी तरह खत्म होने की बजाय काम के बदलने की है। जाहिर है आने वाले समय में कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत होगी, जो तकनीक के साथ-साथ मनुष्य, समाज, संस्कृति, नैतिकता और जटिल समस्याओं को भी समझ सकें। ऐसे में युवाओं के लिए कुछ विषय और स्किल को समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।



'सवाल पूछने' की कलाः एआई से बेहतर उत्तर पाने के लिए बेहतर सवाल पूछना जरूरी है। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह पहचानना कि सवाल सही है या नहीं। आज विद्यार्थी उत्तर खोजने में बहुत समय लगाते हैं। भविष्य में वे सही समस्या पहचानने में समय लगाएंगे। समस्या की सही परिभाषा, संदर्भ और उद्देश्य समझना किसी भी एआई टूल से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

एआई को सहायक बनाइएः एआई से डरकर उससे दूर भागना व्यावहारिक रणनीति नहीं है। बेहतर तरीका है अपने पेशे में एआई का उपयोग सीखना। लेखक रिसर्च और ड्राफ्टिंग में, वकील दस्तावेजों के विश्लेषण में, डॉक्टर प्रशासनिक काम में, शिक्षक शिक्षण सामग्री तैयार करने में और व्यापारी डेटा विश्लेषण में एआई का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन अंतिम निर्णय, तथ्य, जांच और जिम्मेदारी हमारी ही रहनी चाहिए।

केवल प्रॉम्प्ट राइटर न बनेंः आज सही प्रॉम्प्ट लिखना उपयोगी कौशल है, लेकिन किसी एक टूल या तकनीक को पूरा करियर मान लेना जोखिम भरा हो सकता है। तकनीक बदलती रहती है। इस मामले में बेहतर रणनीति है अपने मूल विषय के साथ एआई का संयोजन तैयार करना। पत्रकार, डॉक्टर, शिक्षक, डिजाइनर, वकील, मार्केटिंग प्रोफेशन में एआई का यूज कैसे हो सकता है, यह जानना जरूरी है। यही संयोजन आपको अपने क्षेत्र में अधिक सक्षम बना सकता है।

क्रिएटिविटी की बनी रहेगी डिमांडः एक मशीन हजारों विकल्प तैयार कर सकती है, लेकिन कौन-सा विकल्प हमारे लिए अर्थपूर्ण है, यह तय करना अभी भी मानवीय समझ मांगता है। विश्व आर्थिक मंच ने रचनात्मक सोच को उन कौशलों में शामिल किया है, जिनकी मांग आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। इसलिए लेखन, कहानी कहने, डिजाइन, विचार निर्माण, समस्या-समाधान और नए दृष्टिकोण विकसित करने की क्षमता आने वाले दौर में बनी रहेगी। उसमें एआई का कैसे बेहतर यूज हो सकता है, यह समझना जरूरी है।

इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी है जरूरीः भविष्य में विषयों की दीवारें कमजोर होंगी। कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी को मनोविज्ञान की समझ काम आ सकती है और इंजीनियर को समाजशास्त्र की। इसी तरह पत्रकार को डेटा, डेटा साइंटिस्ट को संचार और एआई विशेषज्ञ को नैतिकता समझनी पड़ सकती है। एक विषय में गहराई और दूसरे विषयों की पर्याप्त समझ- यह संयोजन रोजगार की नई ताकत बन सकता है।

हर सूचना पर भरोसा न करेंः ध्यान रखें कि एआई बहुत आत्मविश्वास से गलत उत्तर भी आपको दे सकता है। इसलिए भविष्य की एक महत्वपूर्ण क्षमता होगी- सत्यापन। किसी एआई-जेनरेटेड उत्तर को इस्तेमाल करने से पहले स्रोत देखना, आंकड़े जांचना, संदर्भ समझना और दूसरी स्वतंत्र जानकारी से मिलान करना जरूरी होगा। यही कारण है कि क्रिटिकल थिंकिंग केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, हर पेशेवर के लिए आवश्यक बनती जा रही है। *

जागरूकता
नेहा जैन

विशेषः विश्व पशु दिवस, 4 अक्टूबर

यह दुनिया तभी सुरक्षित रहेगी, जब प्रकृति के सभी अंगों के बीच संतुलन होगा। हमारे अस्तित्व के लिए पेड़-पौधों के साथ ही पशुओं की विभिन्न प्रजातियों का होना भी जरूरी है। आज विश्व पशु दिवस के अवसर पर, पशुओं की महत्ता समझना जरूरी है।

दुनिया के लिए कम नहीं पशुओं की महत्ता

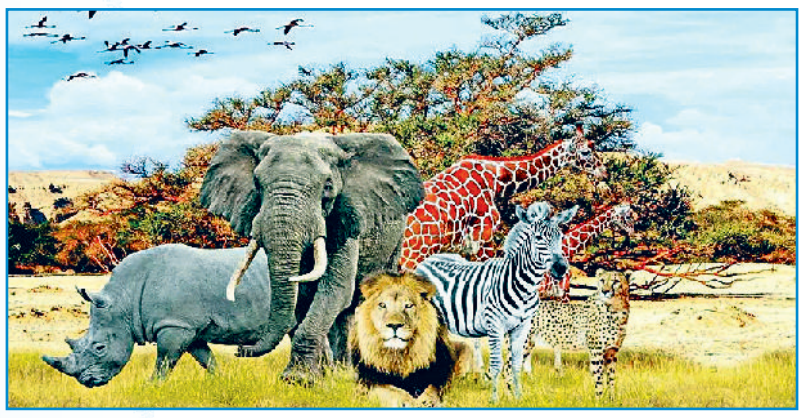

दुनिया भर में पशु अधिकारों और उनके कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व पशु दिवस की आधिकारिक थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें' निर्धारित की गई है। इस विषय का उद्देश्य इंसानों को अपनी स्वार्थी सोच से बाहर निकलकर यह समझने के लिए प्रेरित करना है कि बेजुबान जानवर इस बदलती हुई दुनिया को किस तरह महसूस करते हैं। यह दिवस पशुओं के प्रति क्रूरता को समाप्त करने और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने का एक वैश्विक संकल्प है।

दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकताः इस वर्ष की थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें', हमें अपने सोचने के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदलने की चुनौती देती है। सामान्यतः मनुष्य पूरी प्रकृति और अन्य जीवों को केवल अपनी आवश्यकताओं, आर्थिक लाभ और उपभोग के चश्मे से देखता है। लेकिन यह थीम हमें सिखाती है कि हमें एक पल के लिए ठहरकर यह सोचना चाहिए कि हमारे द्वारा फैलाया गया प्रदूषण, शहरीकरण और जंगलों की कटाई जानवरों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रही है। जब हम खुद को एक बेजुबान जीव के स्थान पर रखकर देखेंगे, तभी हम उनके दर्द, उनकी असुरक्षा और उनके अस्तित्व के संकट को महसूस कर पाएंगे।

पशु कल्याण के प्रति एकजुटताः विश्व पशु दिवस केवल पालतू जानवरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पृथ्वी पर मौजूद हर छोटे-बड़े जीव के अधिकारों की वकालत करता है। इस वर्ष की थीम के अंतर्गत दुनिया भर के पशु अधिकार संगठनों, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को एकजुट किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ऐसे कड़े कानून बनाना और लागू करना है, जो प्रयोगशालाओं में पशुओं पर होने वाले क्रूर परीक्षणों, उद्योगों में उनके शोषण और अवैध शिकार को पूरी तरह से रोक सकें। जब दुनिया जानवरों के नजरिए से सोचेगी, तो उनके अधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां बनाना और अधिक व्यावहारिक हो जाएगा।



रोकें प्राकृतिक आवासों का विनाशः मनुष्यों ने अपने उद्योगों, सड़कों और कंक्रीट के जंगलों का विस्तार करने के लिए वन्यजीवों के सदियों पुराने प्राकृतिक आवासों को नष्ट कर दिया है। यदि हम एक बाघ, हाथी या किसी पक्षी की आंखों से देखें, तो उनके लिए उनका घर लगातार सिमट रहा है, भोजन और पानी के स्रोत खत्म हो रहे हैं, और वे अपने ही घर में बेगाने हो चुके हैं। यही कारण है कि आज 'मानव-वन्यजीव संघर्ष' की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हम उनके आवासों को सुरक्षित नहीं करेंगे, तो हम पृथ्वी की अनमोल जैव विविधता को हमेशा के लिए खो देंगे।

मूक पशुओं के प्रति सहानुभूतिः सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं जैसे कुत्ते, बिल्ली या मवेशी को अकसर इंसानी गुस्से, वाहनों की टक्कर और भुखमरी का सामना करना पड़ता है। इस वर्ष का मुख्य संदेश यह है कि ये बेजुबान जीव भी इंसानों की तरह ही डर, दर्द, भूख और स्नेह की भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। उनकी नजर से देखने पर एक जलती हुई प्लास्टिक की थैली या पटाखों का शोर किसी भयानक दुःस्वप्न से कम नहीं है। समाज में इस संवेदनशीलता को जगाकर ही हम पशुओं के खिलाफ होने वाली घरेलू और सामाजिक क्रूरता को काफी हद तक समाप्त कर सकते हैं।

प्रत्येक जीव की अद्वितीय भूमिकाः प्रकृति में कोई भी जीव व्यर्थ नहीं है। चाहे वह मधुमक्खी हो जो परागण के जरिए इंसानों के लिए अनाज-फलों के उत्पादन में सहायता करती है, या गिद्ध जो पर्यावरण को साफ रखते हैं। हर जीव पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस वर्ष की थीम दर्शाती है कि यदि हम इन जीवों को उनके नजरिए से जीने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो पूरा प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। किसी एक प्रजाति का विलुप्त होना इंसानी सभ्यता के अंत की शुरुआत हो सकता है, क्योंकि हमारा अस्तित्व पूरी तरह से इन जीवों की परस्पर निर्भरता पर टिका हुआ है।

जलवायु परिवर्तन का पशुओं पर प्रभावः ग्लोबल वॉर्मिंग, समुद्री जलस्तर का बढ़ना और प्लास्टिक प्रदूषण आज के समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। यदि हम एक समुद्री कछुए या व्हेल की जगह खुद को रखें तो समझ जाएंगे कि पूरा महासागर प्लास्टिक के कचरे का एक डंपयार्ड बन चुका है, जिसे वे अनजाने में भोजन समझकर खा लेते हैं और तड़प-तड़प कर मर जाते हैं। इसी तरह, पिघलते ग्लेशियर ध्रुवीय भालू के अस्तित्व को मिटा रहे हैं। जाहिर है, हमारी आधुनिक जीवनशैली का खामियाजा उन जीवों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका प्रदूषण फैलाने में कोई हाथ नहीं है। *

छोटे-छोटे प्रभावी प्रयास

इस वर्ष की थीम को सार्थक बनाने के लिए किसी बड़े बजट या संगठन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर बदलाव ला सकता है।

- अपने घर की छत या बालकनी पर पक्षियों के लिए दाना और साफ पानी रखें।
- गर्मियों और सर्दियों में आवारा पशुओं के लिए छाया या बैठने के लिए अस्थाई शेल्टर की व्यवस्था करें।
- प्लास्टिक का उपयोग कम करें ताकि वह कचरे के रूप में किसी जानवर के पेट में न जाए।
- सड़क पर किसी घायल जानवर को देखकर मुंह मोड़ने के बजाय पशु हेल्पलाइन या स्थानीय पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
- शाकाहारी या क्रूरता मुक्त उत्पादों को प्राथमिकता दें।

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्मों के नायकों की उम्र जब बढ़ती है तो उसका स्टारडम और एवरग्रीन कहकर हर रोल में स्वीकार कर लिया जाता है, लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके किरदार बदल जाते हैं। हिंदी सिनेमा के इस दोहरे मापदंड पर एक नजर।

नायक की उम्र को सलाम नायिका की उम्र पर सवाल

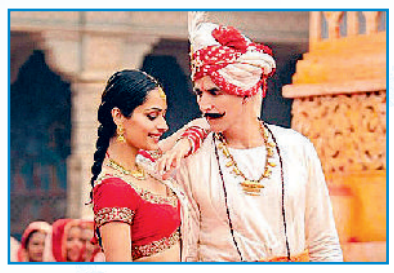

'सम्राट पृथ्वीराज' में अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर

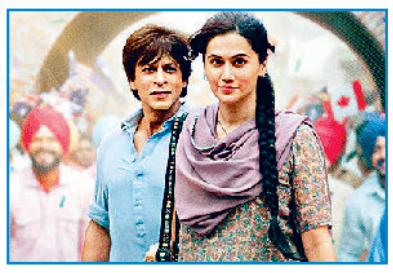

'डंकी' में शाहरुख खान-तापसी पन्नू

हिंदी सिनेमा में उम्र का हिसाब बड़ा दिलचस्प है। नायक की उम्र बढ़ती है तो उसका अनुभव, व्यक्तित्व और स्टारडम बढ़ता हुआ बताया जाता है। लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके हिस्से में मां, पत्नी, बुआ, मौसी या ऐसी ही अन्य चरित्र भूमिकाएं आती हैं। पर्दे पर 55-60 साल का नायक अब भी 20-25 साल छोटी नायिका के साथ रोमांस कर सकता है और इसे 'सिनेमाई जादू' कहा जाता है। लेकिन 40-45 साल की अभिनेत्री अगर प्रेम कहानी की केंद्रीय पात्र बनना चाहे तो सवाल उठने लगते हैं। नायक और नायिका की उम्र का यह दोहरा मापदंड हिंदी सिनेमा की उस मानसिकता को सामने लाता है, जिसमें पुरुष की बढ़ती उम्र को आकर्षण और स्त्री की बढ़ती उम्र को सीमा मान लिया जाता है।

बढ़ती उम्र के बावजूद नायकों की जगह सुरक्षितः देव आनंद से लेकर अमिताभ बच्चन और फिर शाहरुख, सलमान, आमिर तथा अक्षय कुमार तक, उम्रदराज नायकों के लिए रोमांटिक नायक की जगह लंबे समय तक सुरक्षित रही। देव आनंद ने उम्र बढ़ने के बाद भी युवा अभिनेत्रियों के साथ फिल्मों में रोमांस किया। इसे उनकी सदाबहार छवि का हिस्सा माना गया। ऐसे ही 'सूर्यवंशम' में अमिताभ के साथ सौंदर्या की जोड़ी में करीब 30 साल का अंतर था, लेकिन फिल्म मेकर्स, दर्शक और क्रिटिक्स ने इसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया।



'सूर्यवंशम' में अमिताभ-सौंदर्या

समय बदला-सोच नहींः 1990 के दशक में खान सितारों के उभार के साथ 'एवरग्रीन नायक' की धारणा और मजबूत हुई। शाहरुख खान की रोमांटिक छवि इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के राज से लेकर बाद की फिल्मों तक उनकी नायिकाओं की पीढ़ियां बदलती रहीं। लेकिन रोमांटिक नायक की उनकी पहचान बनी रही। 'रब ने बना दी जोड़ी' में 40 पार शाहरुख को लगभग 20 साल की अनुष्का शर्मा के साथ जोड़ा गया और कहानी के संदर्भ में इसे सहजता से स्वीकार कर लिया गया। बाद में 'डंकी' में तापसी पन्नू के साथ भी उम्र का अंतर चर्चा में आया। सलमान खान के साथ 'दबंग-3' में सई मांजरेकर, अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' में मानुषी छिल्लर और आमिर खान के साथ 'गजनी' में असिन जैसे कई उदाहरण बताते हैं कि मुख्यधारा का सिनेमा उम्र के इस अंतर को पुरुष सितारे के मामले में असामान्य नहीं मानता। यहां नायक की उम्र अकसर कहानी के पीछे चली जाती है और उसकी स्टार वाली छवि दर्शकों के आगे आ जाती है।

नायिका की उम्र को लेकर अलग मापदंडः अभिनेत्री की उम्र को लेकर बॉलीवुड नजरिया ज्यादा कठोर है। बॉलीवुड में 50-60 साल के अभिनेता के लिए 'अब भी जवान', 'फिट' और 'चार्मिंग' जैसे विशेषण सहज हैं, जबकि बढ़ती उम्र, शादी और मातृत्व के बाद कोई अभिनेत्री अगर रोमांटिक भूमिकाएं करना चाहे तो उसे अकसर उम्र, रूप और निजी जीवन से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ता है। हम देखते हैं कि देवानंद की पीढ़ी की कई अभिनेत्रियां जल्दी ही मुख्यधारा की नायिका की दौड़ से बाहर हो गईं। अमिताभ के दौर की रेखा, जया बच्चन और हेमा मालिनी जैसी अभिनेत्रियों के लिए रोमांटिक नायिका या लीड एक्ट्रेस की जगह तेजी से सीमित होती गई।

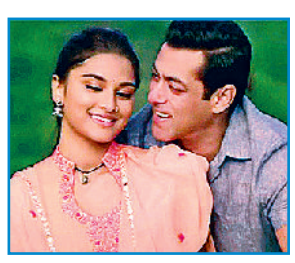

'दबंग-3' में सलमान-सई मांजरेकर

एक समय 'तेजाब', 'राम लखन', 'दिल', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन' और 'दिल तो पागल है' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों की केंद्रीय नायिका रहीं माधुरी बाद के दौर में अधिकतर चरित्र, मल्टीस्टारर या विशेष भूमिकाओं में दिखाई देने लगीं। उनकी प्रतिभा, लोकप्रियता कायम रहते हुए भी मुख्यधारा की रोमांटिक कहानियों में उनके लिए जगह कम होती गई।

ऐसे ही 'जब वी मेट' और 'ओंकारा' जैसी फिल्मों में केंद्रीय भूमिका निभाने वाली करीना कपूर अब कंटेंट आधारित, पारिवारिक या गंभीर भूमिकाओं में अधिक नजर आती हैं।

कुछ-कुछ बदल रहा सिनेरियोः हालांकि तस्वीर पूरी तरह एकतरफा भी नहीं है। 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'क्वीन', 'नीरजा', 'थप्पड़', 'दंगल' और 'पीकू' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि महिला पात्रों की उम्र, वैवाहिक स्थिति या पारिवारिक भूमिका उनकी कहानी का अंत नहीं है। मजबूत पटकथा और विश्वसनीय किरदार हों तो दर्शक उम्र से आगे जाकर पात्र से जुड़ते हैं। ओटीटी ने भी अभिनेत्रियों के लिए ऐसी भूमिकाओं के अवसर बढ़ाए हैं, जिनमें उम्र कहानी की बाधा नहीं बनती।

मानसिकता बदलने की जरूरतः समस्या केवल कास्टिंग की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जिसमें पुरुष की उम्र बढ़ने के साथ उसका सामाजिक और सिनेमाई मूल्य बढ़ता है, जबकि महिला की युवा छवि को ही उसका सबसे बड़ा आकर्षण मान लिया जाता है। बाजार इसी सोच को दोहराता है और दर्शक उसी दोहराव के अभ्यस्त होते जाते हैं। इस तरह एक सोच बनती है। सिनेमा समाज का दर्पण भी है और उसे प्रभावित करने वाला माध्यम भी। जब पर्दे पर बार-बार यह दिखाया जाता है कि 60 साल का पुरुष 20 साल की लड़की का सहज प्रेमी हो सकता है, लेकिन 40-45 साल की महिला का प्रेम कहानी का केंद्र बनना असामान्य है, तो यह सिर्फ फिल्मी चुनाव नहीं रह जाता। बदलाव तभी आएगा जब कहानी में उम्र को पुरुष, महिला के लिए अलग पैमाने से देखना बंद किया जाए। प्रेम की उम्र नहीं होती। यह बात फिल्मों ने कई बार कही है। अब जरूरत इसे नायक तक सीमित न रखने की है। *